बिहार विधान-सभा वादवृत

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बुधवार, तिथि १ अगस्त, १९७३ ।

विषय-सूची ।

		पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर—		
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या :	८६, ११७, ११९, १२०	१-१०
ता.रांकित प्रश्नोत्तर संख्या :	८८५, ८८८, १२४३, १२४५, १२४६ ... १२५०, १२७८, १२८१, १२८९, १२९२, १२९५, १२९९, १३०१, १३०४, १३०६, १३०८, १३०९ ।	१०-५९
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर) :	... ...	६०-१३८
दैनिक-निबंध ...	... ...	१३९-१४०

टिप्पणी :—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधन नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है ।

(२) सन १९७१ से कर्मचारियों का मुख्यालय उसी प्रखंड का मुख्यालय माना जाता है, जिस प्रखंड के क्षेत्र में वे कार्य करते हैं।

(३) बकाये यात्रा भत्ता अर्थात १,७५,०८९ रु० जिसमें विश्राम भत्ता भी सम्मिलित है, के भुगतान के लिए जिनका विपत्र छः महीने से अधिक के हैं, उनके पूर्वावेक्षण तथा अनुसंधान एवं तदर्थ स्वीकृति की कार्रवाई की जा रही है।

* श्री हरिहर प्रसाद सिंह—जिनका ६ महीने के भीतर है उनके लिये।

श्री लहटन चौधरी—अभी ६ महीने से अधिक के लिए बात है।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—तो जिनको ६ महीना से अधिक हो गया था, वह किसकी गलती से।

श्री लहटन चौधरी—ए० जी० वगैरह के यहाँ से पत्राचार करने में समय लग गया।

श्री रामाश्रय राए—कर्मचारी का मुख्यालय उसी जगह माना जाता है, जहाँ वे काम करते हैं, लेकिन जो कर्मचारी एक प्रखंड से दूसरे प्रखंड का काम करते हैं, उनके लिये।

श्री लहटन चौधरी—जहाँ और जिस प्रखंड में वे काम करते हैं, वही उनका मुख्यालय हुआ।

सड़क की मरम्मत।

११७। श्री सभापति सिंह—दिनांक २८ फरवरी, १९७३ को सदन में उत्तरित अल्प-सूचित प्रश्न संख्या ६ के उत्तर को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि सारण जिला में भारत सुगर मिल्स, सिंघवलिया से बलडिहां बाजार तक जाने वाली सड़क का निर्माण-कार्य कब तक समाप्त होगा?

* श्री नरसिंह बैठा—भू-अर्जन की प्रक्रिया पूरा करने के लिये सभी संभव प्रयास किये गये हैं और आशा है कि इस सड़क का निर्माण मार्च, १९७४ तक पूरा हो जायगा।

* श्री सभापति सिंह—मैं जानना चाहता हूं कि गत सत्र के अल्प-सूचित प्रश्न संख्या—६.....

[इस अवसर पर एक सदस्य ने कहा कि सभापति बाबू का गला फसा हुआ है।]

श्री सभापति सिंह—तुरत साफ हो जाता है।

अध्यक्ष—आप यहाँ भी गला साफ करते हैं और बाहर भी!

श्री सभापति सिंह—जी हाँ। प्रश्न संख्या–६ का उत्तर क्या था ?

श्री नरसिंह बंठा—वह तो ये जानते ही हैं कि उसमें क्या उत्तर है।

श्री सभापति सिंह—जो उत्तर दिया गया है यह उसके विपरीत दिया गया है इसीलिए मैंने पूछा है ताकि सदन को भी इसकी जानकारी हो जाय।

श्री शकूर अहमद—आप प्रश्न के रूप में पूछें।

श्री सभापति सिंह—मै सरकार से जानना चाहता हूँ कि क्या गत सत्र में इसी तरह का उत्तर दिया गया था कि जमीन ऐक्वायर करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है अब उसका कार्यान्वयन किया जायगा ?

श्री नरसिंह बंठा—जमीन ऐक्वायर करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है यह नहीं कहा गया था बल्कि कहा गया था कि इस दिशा में काम किया जा रहा है।

अध्यक्ष—आपने दिशा बदली नहीं न है ?

श्री नरसिंह बंठा—जी नहीं।

श्री सभापति सिंह—इन्होंने उत्तर दिया है कि पी० डब्लू० डी० से बहुत सी चिट्ठियाँ लिखी गयीं तो वे बतावें कि उन पर क्या कार्रवाई हुई ?

श्री नरसिंह बंठा—हमारे यहां से भिन्न-भिन्न अफसरों ने ७ चिट्ठियाँ लिखीं लेकिन वहाँ से जवाब नहीं मिला है। यहं से लोगों ने प्रयास किया है लेकिन कुछ कठिनाई हो रही है।

श्री सभापति सिंह—एक तरफ तो सरकार ने कहा कि १९७४ के मार्च तक यह सड़क बन जायगी और दूसरी तरफ कहा गया कि ७ पत्र लिखे गए और एक का भी उत्तर नहीं आया तो किस आधार पर इनकी जानकारी है कि १९७४ के मार्च तक इस सड़क का काम पूरा हो जायगा ?

श्री नरसिंह बंठा—इसमें विभाग काफी सतर्क है। किसी तरह बात चीत करके इसे १९७४ तक पूरा कर दें इसके लिए वे प्रयास कर रहे हैं।

श्री सभापति सिंह—मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि ठीकेदार के साथ एग्रीमेंट हुआ था उसमें क्या अवधि दी गयी थी इसको पूरा करने के लिए ?

श्री नरसिंह बंठा—इसमें ठीकेदार का कसूर नहीं है। इसमें भू-अर्जन की प्रक्रिया में दिक्कत है। माननीय सदस्य लोकल आदमी हैं। वे सरकार से सहयोग करें तो यह काम जल्द हो जायगा।

श्री सभापति सिंह—क्या यह बात सही है कि जो स्थायी या अस्थायी भू-अर्जन की जाती है उसका भुगतान जल्द-से-जल्द नहीं किया जाता है, यही कारण है कि जमीन नहीं मिलती है ?

श्री नरसिंह बैठा—यह बात भी है।

* श्रीमती अनुसूया देवी—७ चिट्ठी अपने विभाग से आपने भेजी और एक का भी जवाब नहीं आया तो इसपर क्या कारर्वाई हो सकी है ? क्यों इस प्रकार अवहेलना की जाती है ?

श्री नरसिंह बैठा—यहाँ से भेजा गया है। अब माननीय सदस्या का काम है कि वे केन विभाग से भी पूछें कि पी० डब्लू० डी० से इतनी चिट्ठियाँ गयी, उसने क्यों जवाब नहीं दिया।

श्री शकूर अहमद—यह माननीय सदस्या का काम नहीं है कि वे केन डिपार्टमेंट या किसी से पूछे, यह इनका काम है इसे बताना कि ७ चिट्ठियां लिखी गयीं और एक का भी जवाब नहीं मिला तो इन्होंने क्या कारंवाई की या बैठकर सोचा कि क्या करना है। माननीय सदस्या को कहना की आप पता लगाएँ यह उचित नहीं है।

अध्यक्ष—यह एक्सट्रा-करीकुलर है।

श्रीमती अनुसूया देवी—आखरी चिट्ठी किस तारीख को लिखी गयी ?

श्री नरसिंह बैठा—२१-२-७३. को।

श्रीमती अनुसूया देवी—९ महीने हो गये। उसके बाद प्रश्न हुआ, फिर भी कुछ कारंवाई नहीं हुई, यह दुःख की बात है या नहीं ?

श्री नरसिंह बैठा—अभी तो सात महीने हुये, ९ महीने नहीं हुये।

अध्यक्ष—क्या जब तक ९ महीना नहीं होंगे, कुछ नहीं होंगे ?

(हंसी)

अल्प सूचित प्रश्न ११८ के संबंध में।

श्री नरसिंह बैठा—अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न सामुदायिक विकास विभाग में स्थानान्तरित हो गया।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह बात सही नहीं है कि सामुदायिक विकास विभाग ने फिर आपको लिखा कि यह प्रश्न लोक-निर्माण विभाग का है, मेरा नहीं।

श्री नरसिंह बैठा—अब तो अगले तिथि को ही इसका जवाब हो सकता है, चाहे किस विभाग के द्वारा जवाब हो।